हरिभूमि महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि

रोहतक, मंगलवार, 4 नवंबर 2025

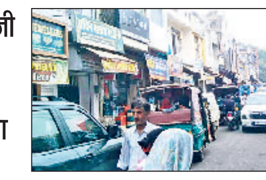

11 शहर के सब्जी मंडी रोड पर पार्किंग के अभाव में लगा रहता है जाम

12 गांव में प्रदर्शन करने उपरांत सोमवार को समाधान...

राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल में 10 महीने से बना हुआ था विवाद

महापंचायत की चेतावनी के बाद डीईओ ने मध्यस्थता करके एनसीसी दाखिला विवाद को सुलझाया, 41 दाखिलों पर 49 छात्र हुए क्वालिफाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नांगल चौधरी

राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल में बीते करीब 10 महीने से एनसीसी यूनिट को लेकर विवाद बना हुआ है। प्राचार्य बस्तीराम ने यूनिट को तोड़ने के लिए विभाग को पत्र लिख दिया। जिससे आक्रोशित अभिभावकों ने सोमवार सुबह महापंचायत का आयोजन किया। जिसमें जिला शिक्षा अधिकारी सुनीलदत्त ने ऑनलाइन मीटिंग को अटेंड किया तथा उन्होंने स्वेच्छा से बच्चों को एनसीसी के लिए आमंत्रित किया। इसके बाद उपस्थित हुए छात्रों की भर्ती प्रक्रिया शुरू की गई।

जानकारी के अनुसार नांगल चौधरी सीनियर सेकेंडरी स्कूल में 1957 से एनसीसी यूनिट संचालित है। पंजीकृत कैडेटों को ए ग्रेड की सर्टिफिकेट मिलती है। जिससे पुलिस व अन्य सरकारी नौकरियों में बोनस अंक मिलते हैं। एनसीसी लेने के इच्छुक विद्यार्थियों की लंबी कतार होने के कारण विभाग मेरिट के आधार पर भर्ती करता है। बीते महीने वर्तमान सत्र में दाखिलों के लिए विभागीय टीम स्कूल में पहुंची तथा प्राचार्य से स्वीकृति पत्र मांगा, लेकिन प्राचार्य ने विभिन्न तर्क देकर स्वीकृति देने से इंकार कर दिया।

विवाद बढ़ने पर शहर के प्रबुद्धजनों ने प्राचार्य से संपर्क किया तथा यूनिट को चालू करने का आग्रह किया, लेकिन उन्होंने सहमति नहीं दी। जिस कारण एनसीसी अधिकारियों ने यूनिट तोड़ने का पत्र जारी कर दिया। इसकी सूचना मिलने पर सुबह महापंचायत का आयोजन किया। जिसमें विभिन्न गांवों के जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। पंचायत की ओर से नामित पांच व्यक्तियों ने बच्चों को स्वेच्छा से एनसीसी में दाखिलों के लिए आमंत्रित किया। इसके बाद 100 से अधिक बच्चे प्रांगण में पहुंच गए और भर्ती के लिए आवेदन किया। पंजीकृत विद्यार्थियों की लिखित परीक्षा व शारीरिक दक्षता परीक्षा आयोजित की है।

41 सीटों पर 49 आवेदक सलेक्ट हुए हैं। जिनमें मेरिट के आधार पर अंतिम चयन किया जाएगा। ग्रामीणों ने बताया कि दक्षिण हरियाणा के युवाओं में सैनिक बनने का जुनून है, इसलिए एनसीसी को प्राथमिकता देते हैं, लेकिन प्राचार्य की हठधर्मिता के कारण गतिरोध बना हुआ था, जो अब डीईओ की मध्यस्था से सुलझ गया। उन्होंने प्राचार्य के तबादला व कार्यप्रणाली की जांच करने की गुहार लगाई है।

नांगल चौधरी। महापंचायत के प्रतिनिधियों से पूछताछ करती पुलिस व एनसीसी अधिकारी। फोटो : हरिभूमि

केस दर्ज कराने की धमकी पर महापंचायत आक्रोशित

महापंचायत के दौरान प्राचार्य बस्तीराम ने कुछ जागरूक लोगों के खिलाफ केस दर्ज कराने की धमकी दी। जिस पर महापंचायत ने कड़ा संज्ञान लिया तथा सीएम से मिलकर तानाशाह प्राचार्य के खिलाफ कार्रवाई कराने का अल्टीमेटम दिया है। नपा चेयरपर्सन के प्रतिनिधि रमेश सैनी, उपाध्यक्ष मुकेश शर्मा, रमेश तंवर, बलबीर सैनी आदि ने बताया कि स्कूल में फैली अनुशासनहीनता को बर्दाश्त नहीं करेंगे तथा एनसीसी तोड़ने का प्रयास किया, तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

खबर संक्षेप

भूतपूर्व सैनिक विकास संघ की बैठक आज

महेंद्रगढ़। भूतपूर्व सैनिक विकास संघ की विशेष बैठक चार नवंबर को प्रधान सूबेदार रामस्वरूप यादव की अध्यक्षता में आयोजित की जाएगी। सघं के उपाध्यक्ष कप्तान राजेन्द्र सिंह खेड़ा बताया कि विशेष बैठक का उद्देश्य 15 नवंबर को रेजांगला शौर्य दिवस मनाया जाएगा। साथ ही 15 नवंबर को शहीद स्मारक का शिलान्यास भी किया जाएगा। बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की जाएगी। उन्होंने सभी पूर्व सैनिकों से बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया है।

कनीना मंडी में बाजरे की आवक जारी

कनीना। नई अनाज मंडी में बाजरे की आवक लगातार जारी है। सोमवार दोपहर तक मंडी में 51 गेटपास किए गए। वहीं 1663 क्विंटल बाजरे की आवक हो चुकी थी। सरकार की हिदायत अनुसार किसान अब स्वयं अपने मोबाइल फोन से गेटपास जनरेट कर मंडी पहुंच रहे हैं। बाजरे की खरीद 15 नवंबर तक जारी रहने की उम्मीद है। जानकारी के अनुसार मेरी फसल मेरा ब्योरा पोर्टल पर जिन किसानों ने फसल खराबे की जानकारी अपलोड की गई थी, उससे कहीं अधिक बाजरे की आवक हो चुकी है। मार्केट कमेटी के सचिव अजीत सिंह ने बताया कि 23 सितंबर शुरू हुई खरीद के बाद अब तक कनीना अनाज मंडी में 10222 गेटपास के मुकाबले 3.18 लाख क्विंटल बाजरे की आवक हो चुकी है। उन्होंने बताया कि बाजरे की खरीद सरकारी शेड्यूल के मुताबिक खरीद कार्य 15 नवंबर तक जारी रहने की संभावना है।

बिक्री केंद्र पर जौ का बीज भी उपलब्ध

जिले में अब गेहूं फसल की बिजाई जोरों पर, बीज के लिए मारामारी

अब तक नारनौल बिक्री केंद्र पर आ चुका है 1849 क्विंटल गेहूं का बीज, जिसमें से महज 130 क्विंटल ही शेष बचा

▶▶ किसान हरियाणा विकास बीज निगम कार्यालय पर पहुंच रहे हैं, जहां से उनको सब्सिडी पर बीज बेचा जा रहा है। शहर के रेवाड़ी रोड पर वार्ड पार्षद वाली गली में बने कार्यालय पर आजकल किसानों की भीड़ देखने को मिल रही है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

रबी सीजन के चलते आजकल किसानों में गेहूं के बीज की भारी डिमांड बनी हुई है। किसान हरियाणा विकास बीज निगम कार्यालय पर पहुंच रहे हैं, जहां से उनको सब्सिडी पर बीज बेचा जा रहा है। शहर के रेवाड़ी रोड पर वार्ड पार्षद वाली गली में बने कार्यालय पर आजकल किसानों की भीड़ देखने को मिल रही है। अब तक इस केंद्र पर 1849 क्विंटल गेहूं का बीज आ चुका है, जिसमें से महज 130 क्विंटल ही शेष बचा है।

नारनौल। बीज बिक्री केंद्र पर पहुंचे किसान। फोटो : हरिभूमि

नारनौल। गेहूं खरीद कर ले जा रहे किसान। फोटो : हरिभूमि

गेहूं का बीज बना है डिमांड में

सरसों के बाद आजकल गेहूं का बीज डिमांड में बना हुआ है। अबकी बार 1849 क्विंटल गेहूं का बीज बिक्री के लिए पहुंचा, जिसमें से 1710 क्विंटल बीज बिक चुका है। केवल 130 क्विंटल ही बीज शेष बचा है। गेहूं का एक बैग 40 किलोग्राम का होता है, जिसे 1200 रुपये में बेचा जा रहा है। सरकार ने गेहूं के बीज का दाम 4075 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया हुआ है तथा इस पर 1075 रुपये की सब्सिडी दी जा रही है। इस प्रकार गेहूं का बीज 3000 रुपये प्रति क्विंटल की दर से उपलब्ध है। रेवाड़ी रोड पर गंदे नाले के समीप एक गली में बने बिक्री केंद्र पर विभिन्न वैरायटी का गेहूं बीज पहुंचा, जिसमें पीडब्ल्यू 771, डीबीडब्ल्यू 303, डीबीडब्ल्यू 327, डीबीडब्ल्यू 222, पीबीडब्ल्यू 826 तथा डब्ल्यूएच 1270 वैरायटी शामिल हैं। फिलहाल बिक्री केंद्र पर पीबीडब्ल्यू 771 का 130 क्विंटल बीज बचा हुआ है।

आजकल रबी फसल की बिजाई में जुटे किसान

कृषि प्रधान जिला महेंद्रगढ़ के किसान आजकल रबी फसल की बिजाई में जुटे हुए हैं। सरसों की बिजाई जहां लगभग पूरी हो चुकी है, लेकिन पछेती सरसों के किसान अब भी बीज खरीदने बिक्री केंद्र पर पहुंच रहे हैं। नारनौल स्थित बिक्री केंद्र पर अबकी बार 29.20 क्विंटल सरसों का बीज बिक्री के लिए पहुंचा था, जिसमें से लगभग 20.30 क्विंटल सरसों का बीज बिक चुका है। सरसों के बीज की एक थैली दो किलो की है, जिसे 250 रुपये में बेचा जा रहा है। कई किसान पछेती सरसों के लिए यह बीज उपयुक्त मानकर इसकी अब भी बिजाई कर रहे हैं।

4000 रुपये एक क्विंटल जौ का रेट

बिक्री केंद्र पर जौ का बीज भी उपलब्ध है। जौ का बीज 34.50 क्विंटल बिक्री के लिए आया था, लेकिन नारनौल बिक्री केंद्र पर अब तक यह बीज महज 5.10 क्विंटल ही बिक पाया है तथा 29.40 क्विंटल बीज अब भी बकाया चल रहा है। जौ का 30 किलोग्राम का एक बैग 750 रुपये में बेचा जा रहा है। एक क्विंटल जौ का रेट 4000 रुपये है, जबकि इस पर सरकार 1500 रुपये की सब्सिडी दे रही है तथा किसानों को यह 2500 रुपये में उपलब्ध है। किसानों में जौ के प्रति घटती रुची के कारण ऐसी स्थिति बनी हुई है। आमतौर पर अब लोग जौ को खाने के रूप में उपयोग नहीं करते।

चने की स्थिति भी ठीक नहीं

बिक्री के मामले में जौ की भांति ही चने की स्थिति भी ठीक नहीं है। चना 32 क्विंटल आया था, लेकिन उसमें से केवल मात्र 9.60 क्विंटल ही बिका, जबकि 22.40 क्विंटल अभी शेष है। 16 किलो की एक थैली 960 रुपये में बेची जा रही है। चने के बीज का सरकारी रेट 11 हजार रुपये प्रति क्विंटल है, जिस पर 5 हजार रुपये की सब्सिडी दी जा रही है तथा किसान को 6000 रुपये में बेचा जा रहा है।

यह कहते हैं सेल्समैन

किसानों में फिलहाल गेहूं के बीज की अत्यधिक मांग बनी हुई है। मांग को देखते हुए ही और बीज की डिमांड की गई है। गेहूं का बीज 1075 रुपये प्रति क्विंटल सब्सिडी के हिसाब से बेचा जा रहा है।

-अमित जाखड़, हरियाणा बीज विकास निगम, नारनौल

महेंद्रगढ़। ज्ञापन सौंपते इनेलो पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

इनेलो ने राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा

किसानों की समस्याओं को लेकर किया प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) ने जिला प्रधान सुरेंद्र कौशिक के नेतृत्व में उपमंडल अधिकारी कनिका गोयल को राज्यपाल प्रोफेसर असीम कुमार घोष के नाम किसानो की विभिन समस्याओं जैसे खरीफ की फसलों की हुई नुकसान की समुचित भरपाई फसलों की एमएसपी पर खरीद एवं डीएपी, यूरिया खाद पर उपलब्ध कराने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा।

सुरेंद्र कौशिक ने कहा कि हरियाणा में इस साल अत्यधिक बारिश और जल भराव की वजह से फसलों को भारी नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि जिले के गांव ढाणी किरारोद में अभी भी दो सौ एकड़ में पानी भरा हुआ है, जिस कारण फसल की बुआई नहीं की जा सकती। अत्यधिक वर्षा के कारण खरीफ की फसलों को भारी नुक्सान हुआ है, जिसने किसान की कमर तोड़ कर रख दी है। इनेलो सुप्रीमो अभय सिंह चौटाला ने राज्यपाल से मिलने का समय मांगा गया था। जो नहीं दिया गया।

मजबूर होकर आज इनेलो कार्यकर्ताओं को सड़क पर उतर कर रोष प्रकट किया गया व सरकार से उचित मुआवज़ा देने की मांग की गई, जिससे किसानो को कुछ राहत मिल सके। जिला प्रभारी व इनेलो कानूनी प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष जशबीर सिंह ढिल्लों ने कहा कि किसानो का बाजरा एमएसपी पर नहीं खरीदा जा रहा है। मंडियों में किसान टोकन व अधिकारीयों की मनमर्जी से परेशान हो गया है, उसकी कोई सुनवाई नहीं हो रही है। इस मौके पर सतबीर बडेसरा, छोटेलाल गहली, नवनीत सिंह ढिल्लो, बल्ली शेखावत, दीपक यादव, महिला जिला प्रधान उर्मिला यादव, अनिल कौशिक एडवोकेट, बिल्लू यादव चेयरमैन, लाल सिंह तंवर, सुरेश चौधरी, सतपाल, कप्तान सिंह, सतपाल उन्हाणी, रामकिशन यादव, भरपूर सिंह, नीरज बडेसरा व धर्मपाल नम्बरदार आदि उपस्थित थे।

पूर्व प्रधान की टीम फिर नहीं आई जांच टीम के सामने, प्रशासन ने कार्रवाई तेज की

समिति का समस्त रिकॉर्ड एवं लेखा-जोखा तीन वर्षों से पूर्व कार्यकारिणी के कब्जे में

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

डॉ. भीमराव अंबेडकर स्मारक समिति की पूर्व कार्यकारिणी के पूर्व प्रधान अपने सहयोगियों के साथ सोमवार को भी जिला प्रशासन की ओर से गठित जांच टीम के सामने नहीं पहुंचे। जिला प्रशासन ने मामले की गंभीरता को समझते हुए आगे की कार्रवाई शुरू कर दी।

बता दें कि समिति का समस्त रिकॉर्ड एवं लेखा-जोखा तीन वर्षों से पूर्व कार्यकारिणी के कब्जे में है। प्रशासन की ओर से कई बार रिकॉर्ड सौंपने के निर्देश दिए गए, लेकिन हर बार कोई न कोई बहाना बनाकर प्रक्रिया को टाल दिया गया। समिति के सदस्यों की ओर से इस संबंध में बार-बार लिखित शिकायतें जिला प्रशासन को दी गई, जिसके बाद जिला उपायुक्त एवं एसडीएम महेंद्रगढ़ की ओर से कार्रवाई करते हुए एक विशेष टीम गठित की गई। जिला उपायुक्त एवं एसडीएम के आदेशानुसार गठित टीम के समक्ष सोमवार को भी डॉ. भीमराव अंबेडकर स्मारक समिति महेंद्रगढ़ की पूर्व कार्यकारिणी के प्रधान सुंदरलाल व उनके सहयोगी उपस्थित नहीं हुए। इस टीम में जिला रजिस्ट्रार महेश यादव, ड्यूटी मजिस्ट्रेट तहसीलदार अजय कुमार व प्रशासक डॉ. ओपी आर्य को शामिल किया गया। टीम ने पूर्व कार्यकारिणी को समय पर अंबेडकर भवन में उपस्थित होने का नोटिस जारी किया था।

इसके बावजूद कोई भी पूर्व पदाधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा। टीम की ओर से फोन पर संपर्क करने का प्रयास भी किया गया, लेकिन कोई उत्तर नहीं मिला। काफी देर इंतजार के बाद प्रशासनिक टीम ने ड्यूटी मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में भवन के सील किए गए कमरे को खोला। कमरे की बारीकी से जांच की गई, जिसकी वीडियोग्राफी भी कराई गई। जांच के दौरान समिति से संबंधित कोई भी दस्तावेज वहां नहीं मिले।

महेंद्रगढ़। अंबेडकर भवन कार्यालय का ताला खुलवाते हुए। फोटो : हरिभूमि

नई कार्यकारिणी गठित करने की मांग

प्रशासक समिति तथा सामाजिक बुद्धिजीवियों ने पूरी टीम को स्थिति से अवगत करवाया और मामले का शीघ्र निपटारा कर नई कार्यकारिणी गठित करने की मांग की। इस मौके पर पन्नीलाल, रोशनलाल निम्बल, सुरेशचंद्र सरोहा, जय भगवान, जगदीश प्रधान, बादाम सिंह, एडवोकेट रणजीत सिंह, फकीरचंद, सहीराम कलोरिया, ब्रह्मदत्त, अमर सिंह, अनिल कुमार, सतवीर मास्टर, सतीश कुमार, विजेंद्र सिंह आदि उपस्थित रहे।

नपा ने कनीना में हटाया अतिक्रमण

कनीना। नगर पालिका प्रशासन ने सोमवार को शहर में अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। जिसमें नगर पालिका सचिव कपिल कुमार, जेई राकेश कुमार की टीम ने रेवाड़ी मोड़ टी पॉइंट से लेकर अटेली मोड़ टी पॉइंट तक अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। नगर पालिका सचिव कपिल कुमार ने दुकानदारों को चेतावनी देते हुए कहा कि अतिक्रमण को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। दुकानदार अतिक्रमण न करते हुए अपनी हद में दुकान लगाए। जिससे बाजार सुंदर व व्यवस्थित नजर आए और बाजार में आने वाले लोगों को परेशानी का सामना न करना पड़े। नगर पालिका सचिव ने बताया कि नपा की ओर से पहले मुनादी करवाकर दुकानदारों को सचेत कर दिया गया था कि जो दुकानदार नहीं माने उनके तख्त, रेहड़ी, तिरपाल, फ्लेक्स बोर्ड आदि सहित अन्य जब्त कर लिया जाएगा। टीम में सुरेंद्र कुमार, विक्की सहित नगर पालिका के अन्य कर्मचारी शामिल थे।

कनीना। बाजार में अतिक्रमण हटाती नपा प्रशासन की टीम। फोटो : हरिभूमि

कुरुक्षेत्र डिपो की ओर से शुरू किया गया रोडवेज बस का संचालन

खाटू श्याम के लिए नई बस सेवा हुई शुरू

- 10 माह से बंद हो गया था रोडवेज बस का संचालन
- सुबह सात बजे कुरुक्षेत्र से चलकर नेशनल हाईवे 152 डी होते हुए 11:15 बजे पहुंचेगी नारनौल
- अगले दिन सुबह 7:30 बजे खाटूश्याम से रवाना होकर नीमकाथाना होते हुए पहुंचेगी नारनौल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

कुरुक्षेत्र डिपो की ओर से खाटूश्यामजी धाम के श्रद्धालुओं के लिए रोडवेज बस सेवा को पुनः शुरू किया गया है। करीब 10 माह से बंद चल रही यह बस सेवा अब फिर से नियमित रूप से संचालित होगी।

इस बस सेवा के फिर से शुरू होने के बाद हरियाणा के करीब 10 जिलों व राजस्थान के श्रद्धालुओं को फायदा मिलेगा। नारनौल बस स्टैंड से यह बस सुबह 11:15 बजे रवाना होगी।

बता दें कि कुरुक्षेत्र डिपो की ओर से पहले इस बस का संचालन किया जा रहा था, लेकिन करीब 10 माह पहले इसका संचालन बंद कर दिया गया था। ऐसे में कई जिलों के यात्रियों को परेशानी उठानी पड़ रही थी। कुरुक्षेत्र जिला सहित अन्य जिलों के श्रद्धालुओं को खाटूश्याम जाने के लिए के कई बार बस बदलनी पड़ती थी। यात्रियों की ओर से रोडवेज विभाग से बार-बार बस का संचालन शुरू करने की मांग की जा रही थी। यात्रियों की मांग को देखते हुए परिवहन विभाग की ओर से फिर से रोडवेज बस का संचालन शुरू कर दिया गया है। यह सेवा खाटूश्याम जी जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए बड़ी राहत साबित होगी। बस के शुरू होने से न केवल यात्रा आसान होगी बल्कि समय की भी बचत होगी।

नारनौल। रोडवेज बस स्टैंड। फोटो : हरिभूमि

नियमित रूप से होगा बस का संचालन

यह बस सेवा प्रतिदिन नियमित रूप से चलाई जाएगी। नारनौल बस स्टैंड से यह बस सुबह 11:15 बजे रवाना होगी। यात्रियों की संख्या अधिक होने पर अतिरिक्त बसों की संख्या बढ़ाई जाएंगी। परिवहन विभाग का उद्देश्य श्रद्धालुओं को सुगम परिवहन उपलब्ध कराना है।

-योगेश कुमार, बस स्टैंड इंचार्ज नारनौल

बसों की समय सारिणी

डिपो	नारनौल से चलने का समय
नारनौल	सुबह 8:20 बजे
कुरुक्षेत्र	सुबह 11:15 बजे
झज्जर	सुबह 11:45 बजे
गुरुग्राम	दोपहर 12:00 बजे
पलवल	दोपहर 1:00 बजे
फरीदाबाद	दोपहर 2:00 बजे

नारनौल से 11:15 बजे होगी रवाना रवाना

यह बस कुरुक्षेत्र बस स्टैंड से सुबह 7:30 बजे रवाना होकर नेशनल हाईवे 152 डी होते हुए नारनौल पहुंचेगी। यहां से 11:15 बजे रवाना होकर दोपहर तीन बजे नीमकाथाना से होते हुए खाटू श्याम पहुचेगी। वहीं अगले दिन सुबह 7:30 बजे चलकर वाया नीमकाथाना, नारनौल से नेशनल हाईवे 152 डी होते हुए कुरूक्षेत्र पहुचेगी। रोडवेज बस में कुरूक्षेत्र से 435 रुपये किराया लगेगा। वहीं नारनौल से खाटू श्याम का किराया 165 रुपये होगा। इस बस का संचालन शुरू होने के बाद कुरुक्षेत्र, कैथल, जींद, रोहतक, भिवानी, झज्जर, चरखी दादरी व महेंद्रगढ़ जिला के अलावा राजस्थान के कई गांवों यात्रियों को फायदा मिलेगा।

रोहतक, मंगलवार
4 नवंबर 2025

हरिभूमि

सहेली

अपनी कामयाबी को ऐसे रखिए कायम

कामयाब होना तो कठिन है ही, अपनी कामयाबी को संभाले रखना, इसे नई ऊंचाई देना और भी कठिन काम है। कामयाबी पर हम कैसे टिके रहें, नए-नए सोपान तय करें, इसके लिए प्रोफेशनल फ्रंट पर हम किन विशेष बातों को ध्यान में रखें, इसके लिए अपनी सोच कैसी रखें, आपके लिए बहुत जरूरी सलाह।

कवर स्टोरी

डॉ. मोनिका शर्मा

कामयाबी ऐसे ही किसी को आसानी से नहीं मिल जाती। इसे पाने की यात्रा का संघर्ष बहुत मुश्किल होता है। इससे कहीं ज्यादा कठिन होता है, हासिल की गई कामयाबी को बनाए रखना, मेहनत के साथ मिली कामयाबी पर टिके रहना, प्रोफेशनल फ्रंट पर खुद को निरंतर संवारते रहना, साथ ही व्यक्तिगत फ्रंट पर सहज बने रहना। असल में सफलता को पाना और सफल होने पर इसे संभालना, दोनों ही बहुत मुश्किल काम हैं। अपनी कामयाबी को अहंकार और असहयोगी रवैये के कारण खो देने वाले लोगों के उदाहरण हर फील्ड में मिल जाएंगे। बहुत से चर्चित और सफल लोग, लंबे संघर्ष के बाद पाई कामयाबी को छोटी-छोटी गलतियों के चलते गंवा देते हैं। उनसे सबक लेना और समय रहते संभलना भी एक स्किल ही है। ऊंचाइयों पर पहुंचने के बाद भी सजगता और सहजता से जीवन जीते हुए किन बातों का ध्यान रखकर अपनी कामयाबी को कायम रखें, जानिए-

ग्रेटिट्यूड का भाव

ग्रेटिट्यूड यानी कृतज्ञता का भाव सफलता को और सार्थक, और टिकाऊ बनाता है। इसीलिए अपनी कामयाबी का उत्सव मनाते हुए इस यात्रा में सहयोगी रहे लोगों को कभी न भूलें। जब भी, जैसे रूप में भी संभव हो, उन लोगों को जैसे माता-पिता, मित्र, शिक्षक या सहकर्मी को धन्यवाद कहें। इनके प्रति आभार जताना कभी न भूलें। आमतौर पर सफलता पाने के बाद लोग आत्मकेंद्रित हो जाते हैं, जबकि जीवन को तो सांप-सीढ़ी के खेल जैसा माना जाता है, कभी ऊंचाइयों का दौर, तो कभी नाकामयाबी का समय। परिस्थितियां बदलती रहती हैं। ऐसे में अपने अच्छे वक्त में भी दूसरों के साथ अच्छे बने रहें, सकारात्मक बर्ताव करें। कम से कम, किसी को कमतर समझने की गलती तो बिल्कुल भी न करें।

सहयोगी सोच है जरूरी

सफलता पाने के बाद भी अच्छे आचरण की अहमियत खत्म नहीं हो जाती। सच तो यह है कि अपनी सफलता को बनाए रखने के लिए अपने व्यवहार में सकारात्मकता और सहयोगी भाव और जरूरी हो जाते हैं। इसीलिए अपने आत्मविश्वास को अति-आत्मविश्वास में कभी न बदलने दें। दूसरों की भावनाओं का सम्मान करने का ट्रेंड हमेशा रहा है और रहेगा। सफल होने का मतलब अपनी कमजोरियों को भूल जाना नहीं होता, न ही दूसरों की काबिलियत की अनदेखी करने से आपकी कामयाबी कुछ विशेष हो जाती है। कोशिश कीजिए, आप संघर्ष कर रहे किसी अपने-पराए के मददगार बनें। आगे बढ़ने, बेहतर बनने में किसी का मार्गदर्शन करें। ऐसा करने से आप खुद भी कुछ नया सीखेंगी। कभी-कभी साझा लक्ष्य पर काम करने की यह रणनीति आपको और नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी। किसी को दिया जा रहा सहयोग, आपके किसी समाधान का मार्ग भी निकाल सकता है। देखा जाए तो प्रगति के पथ पर आगे बढ़ते हुए अपने ही परिवेश को कुछ लौटाने जैसा है। इसीलिए कहा जाता है, सहयोग से पूरे समाज की उन्नति होती है। सहयोगी व्यवहार से न केवल जुड़ाव और अपनापन बढ़ता है, बल्कि प्रोफेशनल संसार के संबंधों को मजबूती भी मिलती है।

आत्म-जागरूकता और सहजता जरूरी

किसी क्षेत्र विशेष में सफल होने का अर्थ यह नहीं कि आप अपने आप में पूर्ण या संपूर्ण हो गई हैं। साथ ही यह भी नहीं सोचना चाहिए कि अब सारी परीक्षाएं खत्म हो गई हैं। जिंदगी

समय-समय पर इम्तिहान लेती रहती है। किसी न किसी रूप में उलझनें सामने आती रहती हैं। इस पड़ाव पर आत्म-जागरूकता और सहजता आवश्यक है। अहंकार से दूरी रखना जरूरी है। मनोवैज्ञानिक विश्लेषणों में भी सामने आया है कि अहंकार सफलता का एक स्वाभाविक परिणाम नहीं है। कामयाबी के गुरूर से इंसान का बदलता व्यवहार ही ईगो की ओर धकेलता है। वहीं, सफलता के दौर में सहज और विनम्र रहने वाले इंसान का मन सदा ग्रेटिट्यूड के भाव से भरा रहता है।

बुरी आदतों से बचें

कामयाबी के दौर में बुरी आदतों के घेरे में आकर खुद को खो देने वाले लोगों के बहुत से उदाहरण मिलते हैं। इसीलिए सफलता को कोई सनक न बनाएं। खुद को खास दिखाने के लिए अजब-गजब आदतों के जाल में न फंसें, प्रोक्रास्टिनेशन यानी अपने काम को टालते रहना हो या दिनचर्या बिगाड़ लेना, किसी तरह की लत का शिकार होना हो या अपने आपको दिखावे की लाइफस्टाइल में उलझा लेना, ऐसी हर बात से बचिए, जो आपको दिशाहीन करती है। याद रखिए कि

अपनी सफलता को जीना अलग बात है और उसका सिर चढ़ जाना अलग। इस अंतर को समझते हुए खुद को संवारते रहना ही कामयाबी को टिकाऊ बनाता है। संघर्ष का समय बीतने के बाद भी सफलता पाने वाले लोग अनुशासित जीवन जीते हैं और आत्म-निरीक्षण को प्राथमिकता देते हैं। a

---

घर की तमाम जिम्मेदारियों को निभाते हुए हाउस वाइव्स का खुद के लिए यानी मी टाइम निकालना जरूरी है। इससे वे अपने को रिचार्ज महसूस करेंगी, उन्हें कभी स्ट्रेस नहीं होगा। लेकिन मी टाइम के लिए वर्क मैनेजमेंट का हुनर जरूरी है।

बिजी लाइफ में भी खुद के लिए निकालें मी टाइम

एडवाइस

शीला श्रीवास्तव

हाउस वाइव्स की अकसर यह शिकायत रहती है कि वे खुद के लिए समय ही नहीं निकाल पातीं। वाकई रुटीन मैनेजमेंट उनके लिए एक चैलेंज की तरह होता है। उन्हें बच्चों के स्कूल, ट्यूशन, ऑनलाइन क्लासेस, हसबैंड के ऑफिस और घर के बड़े-बुजुर्गों की देखभाल के बीच अपने लिए समय नहीं मिल पाता। अपने लिए समय निकालना कितना जरूरी है, इस पर वे कुछ सोचती नहीं हैं। लेकिन अपने लिए समय ना निकालने की वजह से हाउस वाइव्स स्ट्रेस में आ जाती हैं। नतीजतन उन्हें छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा आता है, जो आगे चलकर शारीरिक और मानसिक रोगों का कारण बनता है। सवाल यह है कि हाउस वाइव्स खुद के लिए मी टाइम कैसे निकालें-

जरूरी है मी टाइम: तमाम जिम्मेदारियों के बीच खुद के लिए समय निकालना 'मी टाइम' है। स्ट्रेस फ्री रहने के लिए यह बहुत जरूरी है। मी टाइम ब्रेन को रिचार्ज करता है। भले ही मी टाइम एक घंटे का हो, लेकिन होना जरूर चाहिए। इस समय आप बस अपने लिए जिएं, खुद को खुशी देने वाले काम करें। एक बार मी टाइम पर फोकस करके देखिए, आप खुद को तरोताजा महसूस करेंगी। इतना ही नहीं, आप जीवन के अलग-अलग पहलुओं पर गहराई से सोच सकेंगी। खुद को बेहतर समझ पाएंगी और अपनी कमजोरियों और खूबियों पर मंथन कर सकेंगी। साथ ही आप अपने रिश्ते को और बेहतर बनाने पर विचार कर पाएंगी।

पा सकती हैं खोई हुई एनर्जी: मी टाइम से आप अपनी खोई हुई एनर्जी वापस पा सकतीं हैं। मी टाइम निकालने के लिए सबसे जरूरी है कि पहले वर्क मैनेजमेंट करें, क्योंकि आप अपने घर के कार्यों को व्यवस्थित कर पाएंगी तो आपके लिए मी टाइम निकालना आसान हो जाएगा। वर्क मैनेजमेंट सही करने के लिए कुछ बातों पर ध्यान देना होगा।

खुद को दें प्रॉयोरिटी: आपके परिवार में किसी को भी कोई जरूरत हो तो वह आपके पास आते हैं। ऐसे में गृहिणियों के लिए तनाव रहित रहना बेहद जरूरी है, क्योंकि अगर आपका स्वभाव चिड़चिड़ा होगा तो आप चाहकर भी किसी की पूरे मन से मदद नहीं कर पाएंगी। इसलिए खुद को प्रॉयोरिटी दें। अपनी पसंद की चीजों पर ध्यान दें। खुद के साथ क्वालिटी टाइम बिताएं। खुद के पसंद की म्यूजिक सुनें, डांस करें या फिर खुद के पसंद के अन्य काम करें।

अपना टाइम टेबल बनाएं

मी टाइम निकालने के लिए सबसे पहले आप अपने घर के कार्यों का समय तय करें। इसके लिए जरूरी है कि आप टाइम टेबल बनाएं और हर काम का समय तय करें। टाइम टेबल के हिसाब से किया गया काम हमेशा समय से होता है, इससे आप आसानी से समय निकाल कर अपनी रुचि के काम कर सकती हैं।

लाइफस्टाइल में बदलाव: सुबह उठने की आदत डालनी होगी। अगर आप देरी से उठेंगी तो घर का काम भी देरी से शुरू होगा और आपका सारा दिन झुंझलाहट में बीतेगा। खुद के लिए वक्त निकालना मुश्किल होगा।

सोशल मीडिया पर ज्यादा बिजी न रहें: अकसर देखा गया है कि महिलाएं सुबह से ही सोशल मीडिया पर कमेंट और लाइक्स देखने और उसका जबाव देने में बिजी हो जाती हैं, जिससे उन्हें समय का पता ही नहीं चलता। सोशल मीडिया पर एक्टिव होने के लिए आप एक समय तय करें, ताकि आप काम के स्ट्रेस से भी दूर रहें और मी टाइम निकाल सकें।

घर के लोगों से लें मदद: महिलाओं की यह आदत होती है कि हर काम अकेले ही करना चाहती हैं, जो ठीक नहीं है। घर के अन्य सदस्यों से थोड़ी-थोड़ी मदद लें। बच्चों से आप उनका कमरा ठीक करने, अलमारी और किताबें ठीक करने के लिए कहें। इससे वे खुद भी व्यवस्थित व अनुशासित बनेंगे। इससे आप अकेली पर काम का सारा बोझ नहीं पड़ेगा। a

---

स्पेशल : इंफेंट प्रोटेक्शन-डे, 7 नवंबर

शिशु देखभाल की समझ बढ़ाने, बाल मृत्यु दर में कमी लाने और नवजात बच्चों की देखभाल से जुड़ी सर्विसेज के बारे में अवेयरनेस बढ़ाने के लिए हर साल 7 नवंबर को इंफेंट प्रोटेक्शन-डे मनाया जाता है। न्यू बॉर्न बेबी की देख-भाल के लिए किन बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए, जानिए।

न्यू बॉर्न बेबी सजगता से हो देख-भाल

लालन-पालन

चैतन्या

बच्चे के जन्म के बाद कुछ दिनों तक न केवल न्यू बॉर्न बेबी की विशेष देखभाल की जरूरत होती है बल्कि बहुत सी छोटी-छोटी बातों को लेकर सजगता बरतना भी जरूरी है। हमारे यहां नवजात यानी न्यू बॉर्न बेबीज की सुरक्षा के मामले में आज भी अवेयरनेस की कमी देखी जाती है। असल में नवजात बच्चों की मेडिकल केयर के साथ ही, अपनों की स्नेह भरी देख-भाल, स्वच्छता, स्तनपान और वैक्सीनेशन जैसी बातों को लेकर जागरुकता होनी जरूरी है।

किसे कहते हैं न्यू बॉर्न बेबी: आम बोलचाल की भाषा में कुछ घंटों, दिनों या एक महीने तक के बच्चे को न्यू बॉर्न बेबी यानी नवजात शिशु कहते हैं। वैसे जन्म से लेकर एक साल की उम्र नवजात अवस्था के तौर पर बच्चे की देखभाल के लिए अहम होती है। घर के बड़ों के लिए बच्चे के दुनिया में दस्तक देने के बाद का यह समय बहुत सजग रहने का होता है। इंफेंट केयर में जरा सी चूक शिशुओं को आगे के लिए भी कई परेशानियों का शिकार बना सकती है। खासकर पैरेंट्स को न्यू बॉर्न बेबी की सुरक्षा और विकास के बारे में अवेयर रहना चाहिए। ब्रेस्ट फीडिंग से लेकर वैक्सीनेशन और किसी तरह की जन्मजात तकलीफ का इलाज करवाने तक, ये शुरुआती दिन बेहद अहम होते हैं। इतना ही नहीं मौसमी बीमारियों और दूसरे इंफेक्शन से बचाने के लिए साफ-सफई का भी ध्यान रखना होता है। असल में ऐसी छोटी-छोटी गलतियों के चलते हमारे देश में आज भी इंफेंट मोरटैलिटी के आंकड़े चिंता का विषय बने हुए हैं। ऐसे में इंफेंट प्रोटेक्शन-डे हर मामले में शिशुओं की बेहतर ढंग से केयर करने से जुड़ी सतर्कता लाने का संदेश देने वाला दिन है।

स्तनपान और स्वच्छता: मां के दूध को तो नवजात का पहला टीका कहा जाता है। शिशु के स्वास्थ्य के लिए अमृत माना जाता है। ऐसे में जन्म के बाद बच्चे को ब्रेस्ट फीडिंग करवाना बहुत जरूरी है। इसके लिए माताओं में भी सजगता होना जरूरी है। साथ ही ब्रेस्ट फीडिंग शुरू करने में देरी हो जाए तो नवजात शिशु भी मां का दूध पीने में सहज नहीं रहता। डॉक्टर की सलाह के मुताबिक सही समय पर बच्चे को मां का दूध पिलाना शुरू कर दिया जाए तो यह न्यू बॉर्न बेबी की सेहत के लिए सुरक्षा कवच बन जाता है।

संक्रमित होने से बचाएं: इंफेंट प्रोटेक्शन-डे, लोगों को साफ-सफाई रखने के लिए भी चेताता है। जन्म के बाद के शुरुआती दिनों में नवजात बच्चों को कई तरह के इंफेक्शन हो सकते हैं। इनकी एक बड़ी वजह स्वच्छता न रखना भी है। हमारे यहां बड़ी संख्या में नवजात शिशुओं का जीवन डिलिवरी के दौरान या जन्म के बाद पहले चौबीस घंटों के भीतर छिन जाता है। इंफेंट मोरटैलिटी के कई कारण हैं। इन जानलेवा वजहों में जन्म के बाद संक्रमित होना भी शामिल है।

वैक्सीनेशन और पोषण: बच्चे के जन्म के बाद टीके लगवाने में तो कोई देरी नहीं होनी चाहिए। शिशु को नियमित डॉक्टर को दिखाने, उसके

वजन का ध्यान रखने और चिकित्सक की सलाह के मुताबिक समय-समय पर लगने वाले वैक्सीन लगवाने की प्रक्रिया फॉलो करना जरूरी है। साथ ही सही पोषण का ध्यान रखना भी बहुत जरूरी है। हमें अपने नवजात बच्चे की सुरक्षा को लेकर ज्यादा जागरूक रहने की जरूरत होती है। a

---

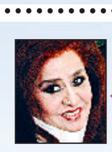

मेकअप

शहनाज हुसैन, कॉस्मेटोलॉजिस्ट

फॉलो करें प्रॉपर मेकअप स्टेप्स मिलेगा इंप्रेसिव-परफेक्ट लुक

अगर आप प्रोफेशनल हैं तो मेकअप सही ढंग से अप्लाई करना जरूरी होता है। लेकिन मेकअप शुरू करने से पहले आपको इसके बेसिक्स की जानकारी होनी चाहिए ताकि आप अट्रैक्टिव, इंप्रेसिव दिखें।

क्लींजर: मेकअप करने से पहले क्लींजर की मदद से चेहरे को साफ कर लें। आप कॉटन में टोनर लगाकर भी चेहरे को अच्छी तरह साफ कर सकती हैं। इसके बाद ही फेस स्क्रब का यूज करें क्योंकि इससे आपकी स्किन सुंदर और आप अट्रैक्टिव दिखेंगी।

मॉयश्चराइजर: स्किन को क्लीन करने के बाद मॉयश्चराइज करें। इसके बाद आप प्राइमर लगाएं ताकि मेकअप देर तक टिका रहे।

आंखों को करें हाइड्रेटेड: आंखों के आस-पास की स्किन को हाइड्रेटेड रखने के लिए आई सीरम का भी इस्तेमाल कर सकती हैं। सामान्यतः हाईड्रेटिंग मॉयश्चराइजर का उपयोग कीजिए और अगर आपकी स्किन ऑयली है तो तेल की अधिक मात्रा को नियंत्रित करने के लिए मैटीफाइंग मॉयश्चराइजर का उपयोग कीजिए। अगर आपकी त्वचा पर दाग, धब्बे, मुंहासे हैं या आंखों के नीचे डार्क सर्कल हैं तो इन्हें कवर करने के लिए कंसीलर कलर करेक्टर का उपयोग करें ताकि त्वचा का रंग नेचुरल दिखे।

लिप्स के लिए: अगर आपकी लिपस्टिक कुछ ही समय बाद होंठों से गायब हो जाती है तो परेशान होने की जरूरत नहीं है। इसके लिए कॉम्पैक्ट पावडर का इस्तेमाल करें, जो लिपस्टिक को लंबे समय तक टिकाए रखेगा। लिपस्टिक लगाने के बाद उस पर टिश्यू पेपर लगाएं। अब, अपने होंठों पर टिश्यू पेपर के ऊपर कुछ लूज कॉम्पैक्ट पावडर या एक लूज सेटिंग पावडर लगाएं। ऐसा करने से आपकी लिपस्टिक पहले की तरह सेट हो जाएगी।

रिमूव एक्स्ट्रा ऑयल: अगर आपकी स्किन पर एक्स्ट्रा ऑयल दिखता है तो ब्लॉटिंग पेपर का यूज कर सकती हैं। इसके यूज से स्किन से एक्स्ट्रा ऑयल को हटाया या कम किया जा सकता है।

फाउंडेशन: अपनी स्किन टोन के हिसाब से फाउंडेशन का यूज करें। फाउंडेशन को अपनी गर्दन पर लगाना न भूलें।

ब्लश का यूज: ब्लश का यूज अपनी जरूरत के अनुसार करें क्योंकि इसका ज्यादा उपयोग अननेचुरल दिखेगा। इसे अपने गालों को उभारने के लिए ही उपयोग कीजिए। ज्यादातर स्किन पर हल्का पिंक ब्लश सूट करता है।

लिपस्टिक-लिप ग्लॉस: अगर आपको यह महसूस हो कि मैटीफाइंग लिपस्टिक से आपके लिप्स ड्राई हो रहे हैं तो किसी लिप बाम के बाद लिपस्टिक अप्लाई करें।

सेटिंग स्प्रे: अपने मेकअप को लंबे समय तक बनाए रखने के लिए सेटिंग स्प्रे का यूज कीजिए। लेकिन आंखों को बंद रखें और होंठों को भी कवर रखें। a

---

मेडिकल सजेशन

डॉ. भारती कालरा

सीनियर गायनेकोलॉजिस्ट

करनाल-हरियाणा

अपने जरूरी पर्सनल वर्क के लिए कई महिलाएं पीरियड्स को डिले करने के लिए मेडिसिन ले लेती हैं। लेकिन ऐसा करने से पहले डॉक्टर से कंसल्ट करना जरूरी है। लापरवाही हार्मफुल हो सकती है।

डॉक्टर से कंसल्टेशन पर ही लें पीरियड्स-डिले मेडिसिन

पीरियड्स एक नेचुरल फिजिकल साइकिल है, जिससे टीनएज से 45-50 वर्ष की उम्र के बीच की हर महिला गुजरती है। लेकिन कई बार मैरिज, स्पेशल फंक्शन, सैर-सपाटे, स्टडी जैसे किसी विशेष अवसर पर कुछ महिलाएं पीरियड्स रोकने के लिए मेडिकल स्टोर में आसानी से उपलब्ध पीरियड्स डिले करने वाली हार्मोनल पिल्स ले लेती हैं। इन दवाओं के गलत डोज या साइड इफेक्ट्स की वजह से कई शारीरिक समस्याओं के साथ जीवन पर भी संकट मंडरा सकता है।

कैसे काम करती हैं ये दवाएं: मेडिकली देखें तो महिला के शरीर में प्रत्येक पीरियड साइकिल के दौरान प्रोजेस्ट्रॉन हार्मोन का लेवल प्राकृतिक रूप से कम हो जाता है, जिसकी वजह से यूट्रस की लाइनिंग गिरने लगती हैं और पीरियड्स शुरू हो जाते हैं। पीरियड्स-डिले पिल्स, मुख्य तौर पर दो तरह की हार्मोनल दवाइयां होती हैं, जिनमें या तो सिर्फ सिंथेटिक प्रोजेस्ट्रॉन होता है या फिर एस्ट्रोजन-प्रोजेस्ट्रॉन का मिश्रण होता है। इनके सेवन से महिला के शरीर में प्रोजेस्ट्रॉन लेवल कम नहीं हो पाता और पीरियड्स रुक जाते हैं यानी, ये दवाएं अस्थाई रूप से पीरियड साइकिल को रोककर पीरियड्स को आगे बढ़ाने का काम करती हैं। साथ ही महिलाओं के रिप्रोडक्टिव सिस्टम को रेगुलेट करने में मदद करती हैं।

क्या होते हैं साइड इफेक्ट्स: हालांकि ये दवाइयां सुरक्षित होती हैं, लेकिन संभावित साइड इफेक्ट से बचने के लिए इन्हें स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉक्टर के परामर्श पर सही तरीके और सही डोज में ही लेनी चाहिए। इन्हें लेने पर कुछ सामान्य साइड इफेक्ट्स हो सकते हैं, सिर-दर्द होना, ब्रेस्ट में दर्द होना, पेट फूला-सा लगना, वजन बढ़ना, मितली-उल्टी की फीलिंग होना, पैर में दर्द, ब्लड प्रेशर बढ़ना आदि। कुछ मामलों में शरीर में हार्मोन और रक्त में मौजूद रसायनों का संतुलन गड़बड़ा जाता है। धमनियों में ब्लड क्लॉटिंग या डीप वेन थ्रोम्बोसिस होने का खतरा रहता है। हार्मोनल दवाइयों के हाई डोज से ब्लड प्रेशर और इलेक्ट्रोलाइट संतुलन बिगड़ सकता है, जिससे हार्ट रेट गड़बड़ा सकता है।

इन्हें होता है अधिक रिस्क: पीरियड्स-डिले करने वाली दवाओं का सेवन करने में ऐसी महिलाओं को पूरी एहतियात बरतनी चाहिए, जो पीसीओएस, माइग्रेन, स्ट्रोक, ब्लड प्रेशर, लिवर, हार्ट डिजीज, डायबिटीज आदि से जूझ रही हों। a

इन बातों का रखें ध्यान

- हार्मोन पिल्स का सेवन बिना डॉक्टर के परामर्श के न करें।
- जब तक बहुत जरूरी न हो, इन गोलियों का इस्तेमाल न करें।
- एक सप्ताह पहले ही आजमा लें ताकि यदि कोई साइड इफेक्ट हो तो उससे निपटने के लिए समय मिल सके।
- मेडिकल हिस्ट्री और ब्लड टेस्ट जरूर करवाएं। पहले से मौजूद बीमारियों जैसे लिवर, ब्लड प्रेशर, डीवीटी, हार्मोनल असंतुलन में इन्हें बिल्कुल न लें।
- कभी-कभार और डॉक्टर की निगरानी में इनका सेवन सुरक्षित है। लेकिन बार-बार इस्तेमाल शरीर के हार्मोनल संतुलन को बिगाड़ सकता है।

प्रस्तुतिः रजनी अरोड़ा

खबर संक्षेप

गोशाला में गाय छोड़ने पर देनी होगी सहायता राशि

नारनौल। श्री श्याम गोशाला समिति शोभापुर की बैठक का आयोजन प्रधान डॉ. अनिल यादव की अध्यक्षता में किया गया। श्री श्याम गोशाला समिति ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि शोभापुर गांव के ग्रामवासी अगर कोई गोवंश गोशाला में छोड़ने के लिए आते हैं तो उनसे 500 रुपये बतौर चंदा लिया जाएगा और गोशाला से जुड़े हुए गावों ने भी इस गोशाला निर्माण में बहुत सहयोग किया है। इसलिए उनसे भी 1100 रुपये लिया जाएगा। अन्य गावों से 3100 रुपये लिया जाएगा, ताकि गोशाला का कार्य सुचारू रूप से चल सके।

नशा तस्करों के खिलाफ कार्रवाई

नारनौल। पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ के नेतृत्व में पुलिस ने नशा तस्करों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई को जारी रखते हुए एक और महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। नशीले पदार्थों के कारोबार से अवैध संपत्ति अर्जित करने वाले अपराधियों को जेल भेजने के साथ उनकी संपत्ति कुर्क करने की कार्रवाई की जा रही है।

विवाह शादी के सीजन में बढ़ गई भीड़, दुकानदारों ने पांच से दस फीट बाहर तक लगाया सामान

सब्जी मंडी रोड पर पार्किंग न होने से जाम में फंस रहे लोग

■ प्रतिदिन सड़क के किनारे खड़े रहते हैं 800 से अधिक वाहन

लोग बोले- नगर पालिका के अधिकारी आमजन की समस्याओं पर नहीं दे रहे ध्यान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

शहर के सब्जी मंडी सड़क मार्ग पर पार्किंग नहीं होने के कारण जाम लगा रहता है। पार्किंग के अभाव में प्रतिदिन सड़कों के किनारे 800 से अधिक वाहन खड़े रहते है। बाजार में सामन लेने आने वाले लोग पार्किंग नहीं होने के कारण अपने वाहन का दुकानों के सामने खड़ा कर देते है। जिससे जाम की स्थिति बन रही है। नगर पालिका को शहर में पार्किंग की व्यवस्था करनी चाहिए। ताकि लोगों को परेशानियों का सामना न करना पड़े। दिन प्रतिदिन शहर में वाहनों की संख्या बढ़ती जा रही है, लेकिन नगर पालिका इस ओर ध्यान नहीं दे रही है। पार्किंग की व्यवस्था नहीं होने के कारण 800 से अधिक वाहन सड़क के किनारे खड़े रहते है। विवाह शादी के सीजन में तो शहर में पार्किंग नहीं होने के कारण जाम की स्थिति बनी रहती है। सब्जी मंडी सड़क मार्ग पर दुकानदारों ने 5-5 फुट कब्जा किया हुआ है। इसके उपरांत दुकान के सामने वाहन खड़े हो जाते है। जिसके कारण जाम अधिक लग जाता है। बाजार में अधिक भीड़ होने के कारण दूसरे रास्ते से लंबी दूरी तय करनी पड़ती है। राहगीरों कहना है कि जब बाजार में सामान लेने के लिए जाते है सब्जी मंडी दुकानों के सामने जाम की स्थिति बनी रहती है। लोग पार्किंग नहीं होने के कारण अपने वाहनों को सड़क के किनारे खड़ कर देते है। विवाह शादी का सीजन चल रहा है। अब बाजार में काफी भीड़ होने होने लग गई है। लेकिन साधन खड़े करने के लिए पार्किंग की व्यवस्था नहीं होने के कारण परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। नगर पालिका प्रशासन को शहर में पार्किंग की व्यवस्था करनी चाहिए। इससे ही जाम की समस्या हल होगी।

महेंद्रगढ़। सब्जी मंडी रोड पर लगा जाम। फोटो : हरिभूमि

शीघ्र लगाएंगे टेंडर

शीघ्र ही टेंडर लगाए जाएगे, इसके साथ-साथ अलग-अलग जगहों को चिन्हित करके पार्किंग बनाई जाएगी। जल्द ही जगह का चयन कर पार्किंग शुरू की जाएगी। जाम की स्थित को ध्यान में रखते हुए नपा द्वारा अस्थाई पार्किंग का प्रबंध किया जाएगा।
रमेश सैनी, नगर पालिका प्रधान, महेंद्रगढ़।

महेंद्रगढ़। रक्तदान करते युवा। फोटो : हरिभूमि

ज्ञानकोष ए ग्लोबल स्कूल में रक्तदान शिविर आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

गांव खरखड़ा आकोदा स्थित ज्ञानकोश ए ग्लोबल स्कूल में डॉ. आकाश गोयल के नेतृत्व में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। जिसकी अध्यक्षता पैक्स के अध्यक्ष नरेश गुप्ता ने की। डॉ. गोयल के नेतृत्व में नारनौल टीम से नर्सिंग ऑफिसर डॉ. सुरभि, अजय, सुनील, फार्मासिस्ट मोहनलाल रहे। सीईओ राकेश कुमार ने सभी रक्तदाताओं का धन्यवाद किया तथा बताया कि रक्त से बड़ा कोई दान नहीं है, रक्तदान महादान है। उन्होंने बताया कि रक्त देने से कोई कमजोरी नहीं आती, रक्तदान करना डरावना लग सकता है, लेकिन यह एक आसान प्रक्रिया है, जो किसी की भी जान बचाने में मदद कर सकती है। रक्तदान एक सच्चा उपहार है जो आप दूसरों की जरूरत को दे सकते हैं। हर दिन रक्तदाता सभी उम्र के लोगों को जीवन रक्षक देखभाल प्राप्त करने में मदद करती है। प्राचार्य रामनिवास ने बताया कि रक्तदान को महादान मानना है, हम रक्तदान करके किसी इंसान की जिंदगी बचा सकते हैं। हमारे समाज में अनुदान, कन्यादान, श्रमदान और नेत्रदान जैसे अनेक प्रकार के दान प्रचलित है, परंतु इनमें रक्तदान को सर्वश्रेष्ठ दान माना जाता है। उन्होंने सभी स्टाफ मेंबर का आभार जताया।

मॉडर्न स्कूल में दो दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने दिखाय दमखम

■ रानी लक्ष्मीबाई हाउस ओवरऑल चैम्पियन, ट्रॉफी पर जमाया कब्जा

■ अध्यापिकाओं की 100 मीटर की दौड़ में प्रियंका प्रथम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

मॉडर्न सीनियर सेकेंडरी स्कूल में चल रही 24वीं दो दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का समापन हो गया है। इस दौरान प्रो. रतनसिंह यादव मुख्यातिथि तथा संस्था डायरेक्टर हुक्मसिंह तंवर तथा मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. सुरेंद्र सिंह यादव विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम में समापन पर विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। प्रवक्ता रामनिवास चौहान ने बताया कि लड़कों के सीनियर वर्ग में कबड्डी, खो-खो, बॉलीबाल, लॉग जम्प, हाई जम्प, लड़कियों के सीनियर व जूनियर वर्ग में कबड्डी, खो-खो, नीडल रेस, अध्यापिकाओं की रस्साकसी, म्यूजिकल चेयर रेस, अध्यापकों की रस्साकसी व बॉलीबाल के फाइनल मुकाबले खेले गए। मुख्यातिथि ने कहा कि अच्छे भविष्य और बेहतर केरियर के लिए पढ़ाई का जितना महत्व है, उतना ही महत्व बेहतर जीवन के लिए खेलों का भी है। आजकल हमारे भी देश में खेलों का महत्व पहले की अपेक्षा बहुत ज्यादा बढ़ गया है। डायरेक्टर हुक्म सिंह तंवर ने कहा कि प्रगतिशील और आधुनिक बनने के दौड़ में हम अपने स्वास्थ्य से खिलवाड़ कर रहे हैं। खेल का महत्व जैसे हम भूलते जा रहे हैं। स्कोरर की भूमिका निभा रहे प्रवक्ता मुकेश शर्मा व सतीश मेहरा ने बताया कि लड़कों के सीनियर विंग में राव तुलाराम हाउस, लड़कियों के सीनियर विंग में आयोजित कबड्डी मुकाबले में राव तुलाराम हाउस, लड़कों के सीनियर विंग में आयोजित खो-खो में राव तुलाराम हाउस, वॉलीवाल मुकाबले में कल्पना चावला हाउस, बास्केटबाल मुकाबले में राव तुलाराम हाउस विजेता रहा। लड़कों में अमित को बेस्ट प्लेयर तथा लड़कियों में नताशा को बेस्ट प्लेयर के खिताब से नवाजा गया। अध्यापिकाओं की 100 मीटर की दौड में प्रियंका ने प्रथम, करीना ने द्वितीय तथा काजल ने तृतीय, लड़कियों की मटकी दौड में मनशवी ने प्रथम, कशिश ने द्वितीय व ईशिका ने तृतीय, अध्यापिकाओं की म्यूजिकल रेस में डांस अध्यापिका करीना सैनी विजेता रहीं। अध्यापकों की 100 मीटर की दौड में सुरेश सैनी ने प्रथम रहे।

महेंद्रगढ़। प्रतियोगिकता में दमखम दिखाते खिलाड़ी।

गहली पंचायत ने छात्राओं को नवाजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

■ छात्राओं ने ग्रुप सॉन्ग प्रतियोगिता में जिले में तृतीय स्थान प्रापत किया

हरियाणा दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित जिला स्तरीय ओपन सांस्कृतिक उत्सव में राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल गहली की छात्राओं ने ग्रुप सॉन्ग प्रतियोगिता में जिले में तृतीय स्थान प्राप्त किया। जिन्हें 15000 रुपये का चेक देकर सम्मानित किया। इस उपलक्ष्य में गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल गहली में विद्यालय स्टाफ व ग्राम पंचायत ने छात्राओं का सम्मान किया। इस अवसर पर राज्य स्तर पर सम्मानित शिक्षक अमरजीत सिंह बडेसरा ने विद्यालय तथा गांव गहली का नाम रोशन करने के लिए टीम छात्राओं व गुरुजनों को बधाई दी तथा आशा व्यक्त करते हुए कहा कि इस विद्यालय के सभी विद्यार्थी कड़ी मेहनत करते हुए पढ़ाई में भी शानदार प्रदर्शन करेंगे। बडेसरा ने कहा कि सरकारी विद्यालय में अध्यनरत साधारण परिवारों के बच्चों को विद्यालय समय पश्चात पढ़ाई व व्यक्तित्व विकास के लिए गांव की तरफ से सामुदायिक प्रयास किए जा रहे हैं। जिसका आने वाले समय में सुखद परिणाम देखने को मिलेगा। ग्राम पंचायत गहली के सरपंच प्रतिनिधि कुलदीप ने उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए छात्राओं को बधाई दी। उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूल में पढ़ने वाले साधारण परिवारों के बच्चों को स्कूल समय पश्चात कम्युनिटी टीचिंग के लिए अमरजीत सिंह बडेसरा ने गांव के सभी सुविधाओं से सुसज्जित अपने पैतृक घर को विद्यार्थी हित में सौंप दिया है। इसके लिए वे बधाई के पात्र हैं। गौरतलब है कि गांव गहली के सरकारी स्कूल के विद्यार्थियों के लिए गांव के शिक्षकों व सामाजिक व्यक्तियों के सहयोग से विद्यालय समय पश्चात अध्ययन करवाया जाता है। इस अवसर पर टीम की निःशुल्क तैयारी करवाने वाले सांस्कृतिक शिक्षक कुलदीप सिंह का भी सम्मान किया गया। टीम प्रशिक्षक कुलदीप सिंह ने भी छात्राओं को जमकर सराहा।

नारनौल। गहली स्कूल की छात्राएं व अन्य। फोटो : हरिभूमि

शिक्षकों ने दी बधाई

विद्यालय की प्रधानाचार्य संतोष यादव ने सभी विद्यार्थियों को बधाई दी तथा उल्लेखनीय सहयोग के लिए ग्राम पंचायत एवं गांव के सामाजिक लोगों की प्रशंसा की। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय शिक्षक भूपेंद्र ने किया। विजेता टीम में टीम लीडर कुमकुम, सिमरन, सलोनी, खुशबू, हर्षिता, ईशा, विशाखा, अवंतिका व सोनिया शामिल रही। इस मौके पर प्रधानाचार्य संतोष यादव, सरपंच प्रतिनिधि कुलदीप, अमरजीत सिंह बडेसरा, कुलदीप सिंह, अरुण कौशिक के अलावा स्टाफ सदस्य रजिता व सुनीता, सतवीर, बजरंग, अमित, योगेंद्र, ललित, संजय, सुभाष, विजय डीपी, अशोक आदि उपस्थित रहे।

दिग्विजय चौटाला ने नवीन राव के निधन पर जताया शोक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

युवा जननायक जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष दिग्विजय चौटाला युवा प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष नवीन राव के निधन पर शोक व्यक्त करने उनके गांव नूनी शेखपुरा पहुंचे। उन्होंने स्वर्गीय नवीन राव के परिवार के सदस्यों से मुलाकात कर उन्हें ढांढ़स बंधाया और दिवंगत आत्मा के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। दिग्विजय चौटाला ने कहा कि इस दुख की घड़ी में जननायक जनता पार्टी उनके परिवार के साथ खड़ी है। नवीन राव बेहद मिलनसार व मेहनती युवा थे। पार्टी ने उन्हें जो भी जिम्मेदारी दी, उन्होंने उसे पूरी निष्ठा से निभाया। उनके निधन से पार्टी को अपूरणीय क्षति हुई है।

गौरतलब है कि नवीन राव का 30 अक्टूबर की रात हृदय गति रुकने से निधन हो गया था। उनका अंतिम संस्कार 31 अक्टूबर की सुबह उनके पैतृक गांव में किया गया। शोक व्यक्त करने वालों में जिला प्रधान राजकुमार खातोद, सिकंदर गहली, युवा जिला प्रभारी विष्णु डाबड़, अनमोल गुप्ता, अध्यक्ष सचिन चौधरी, नारनौल प्रधान सुरेंद्र पटीकरा, जिला कार्यालय सचिव वीरेंद्र घटाशेर, जिला प्रवक्ता विजय छिलरो, विजयपाल अधिवक्ता, नगर पार्षद संदीप भाखर, रामकुमार मक्शुसपुर, प्रमोद ताखर, अजय चौधरी अधिवक्ता, बेदू राता, हरचंद तोबड़ा, महिला जिला प्रधान सोनिया धनखड़, बजरंग गुर्जर, हैप्पी तंवर, योगी आदलपुर आदि शामिल रहे।

नारनौल। शोक जताने पहुंचे दिग्विजय चौटाला व अन्य। फोटो : हरिभूमि

पहले ही प्रयास में हासिल की सफलता

हैप्पी स्कूल के छात्र ने सीए फाउंडेशन परीक्षा में मारी बाजी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

हैप्पी एवरग्रीन सीनियर सेकेंडरी स्कूल के छात्र जयगोपाल ने आईसीएआई द्वारा आयोजित सीए फाउंडेशन परीक्षा सितंबर में शानदार सफलता प्राप्त कर विद्यालय और पूरे शहर का नाम रोशन किया है। जयगोपाल ने यह सफलता अपने पहले ही प्रयास में हासिल की है, जो उनकी मेहनत, लगन और समर्पण का जीता-जागता उदाहरण है। उनकी इस उपलब्धि के पीछे कॉमर्स विभाग के अध्यापक पवन कुमार और अध्यापिका संतोष यादव के अथक मार्गदर्शन और प्रेरणा का अहम योगदान रहा। संचालक सुभाष चंद्र अग्रवाल, उपसंचालिका कौशल्या अग्रवाल, प्रबंध निदेशक मनीष अग्रवाल, मैनेजर चंचल अग्रवाल और प्रधानाचार्य डॉ. जेएस कुंतल ने कहा कि जयगोपाल ने अपने पहले ही प्रयास में कीर्तिमान स्थापित करते हुए यह सिद्ध किया है कि दृढ़ निश्चय और मेहनत से कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं। उनकी यह उपलब्धि अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्त्रोत बनेगी। विद्यालय के समस्त शिक्षकों एवं गणमान्य लोगों ने जयगोपाल को आशीर्वाद देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। हैप्पी स्कूल ने जयगोपाल की इस शानदार उपलब्धि का श्रेय विद्यालय स्टॉफ को दिया है।

गुरु तेग बहादुर साहिब जी के शहीदी दिवस पर हुआ कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

राजकीय महिला महाविद्यालय में सोमवार को प्राचार्य डॉ. आरपी सिंह की अध्यक्षता में श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी के 350वें शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर गुरुद्वारा प्रबंधन समिति की ओर से सरदार बलदेव सिंह चहल, सरदार अमरजीत सिंह रंधावा, सरदार गुरमेल सिंह संधू, सरदार प्रकाश सिंह, सरदार तेजिंदर पाल सिंह हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी, सरदार लखबीर सिंह आसला विशेष रूप से उपस्थित रहे। प्राचार्य डॉ. आरपी सिंह ने कहा कि श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी का बलिदान सदियों तक सत्य, धर्म व मानवता की रक्षा के लिए प्रेरित करेगा। डॉ. यशपाल ने कहा कि आज के समय में लोग अपने परिवार के लिए भी त्याग नहीं कर पाते, जबकि श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी ने संपूर्ण मानवता और देश की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व बलिदान कर दिया। कार्यक्रम में मंच संचालन डॉ. ममता शर्मा ने किया। कार्यक्रम में निबंध प्रतियोगिता मुख्य आकर्षण का केंद्र रही। छात्राओं ने श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी के जीवन, त्याग और शिक्षाओं पर अपने विचार प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता में अनु ने प्रथम, साक्षी ने द्वितीय तथा चितवन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम में विजेता छात्राओं को सम्मानित किया गया।

नारनौल। कार्यक्रम का शुभारंभ करते डॉ. आरपी सिंह। फोटो : हरिभूमि

विद्यार्थियों को समझाया योग का महत्व

नारनौल। विद्यार्थियों को योग क्रिया समझाते कैप्टन जगराम आर्य। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

सरस्वती बाल मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पुल बाजार में सोमवार को कैप्टन जगराम आर्य ने अपने विचारों से विद्यार्थियों को नई राह दिखाते हुए जीवन में अनुशासन व योग का महत्व समझाया। उन्होंने विद्यार्थियों को अपना लेख व पढ़ने के तरीके में और सुधार कैसे किया जा सकता है, इस बारे में भी समझाया। इस अवसर पर विद्यालय के संचालक मुकेश शर्मा, प्राचार्या क्षमा पाण्डेय ने कैप्टन जगराम का विद्यालय में आने पर आभार प्रकट किया।

नारनौल पहुंची शहादत माटी कलश यात्रा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

भारत व चीन के बीच 1962 में हुए ऐतिहासिक रेजांगला युद्ध के अमर वीरों की स्मृति में निकाली जा रही शहादत माटी कलश यात्रा सोमवार को नारनौल पहुंची। यहां पहुंचने पर शहर में अनेक जगह स्वागत किया गया। बता दें कि 18 राज्यों से होती हुई यह यात्रा नारनौल आई। जिसके तहत सबसे पहले नसीबपुर स्थित शहीदी स्मारक पर यात्रा में शामिल लोग 1857 में आजादी की पहली लड़ाई में शहीद हुए हजारों अनाम शहीदों को अपने श्रद्धासुमन अर्पित किए। वहीं कलश का भी लोगों ने फूलों से स्वागत किया। इसके बाद यात्रा शहर में पहुंची।

शहर में पहुंचने पर पंचायत भवन के पास जिला बार एसोसिएशन के प्रधान संतोख सिंह एडवोकेट ने यात्रा का बार के वकीलों के साथ स्वागत किया। इसके बाद महावीर चौक व रेजांगला चौक पर भी लोगों ने यात्रा का स्वागत किया। मांदी में यात्रा का समापन हुआ। यात्रा हरियाणा के अन्य जिलों के लिए रवाना होगी। रेजांगला बैटल में 124 भारतीय जवानों में से 110 शहीद हुए व चार बंदी बनाए गए। इनमें 60 जवान हरियाणा के थे। जिनमें रेवाड़ी के 26 व महेंद्रगढ़ के 16 वीर शामिल थे। यह युद्ध विश्व सैन्य इतिहास की सबसे दुर्लभ लड़ाइयों में से एक माना जाता है। जहां केवल 124 भारतीय जवानों ने तीन हजार 500 चीनी सैनिकों का सामना किया।

नारनौल। शहर में पहुंची शहादत माटी कलश यात्रा। फोटो : हरिभूमि

चैम्पियनशिप के लिए जिलास्तरीय ट्रायल्स आज

नारनौल। आगामी 11 से 13 नवंबर तक आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय चैम्पियनशिप के लिए खिलाड़ियों के चयन के लिए जिला स्तरीय ट्रायल का आयोजन चार नवंबर सुबह नौ बजे से किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए कार्यवाहक जिला खेल अधिकारी नरेंद्र कुंडू ने बताया कि चयन प्रक्रिया से संबंधित समस्त औपचारिकता के लिए प्रवीण रंगा क्रिकेट प्रशिक्षक को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

उन्होंने बताया कि एथलेटिक्स के ट्रायल जेसी एथलेटिक्स ग्राउंड दंचोली में आयोजित होंगे। जिसके इंचार्ज जयवीर सिंह, जूनियर एथलेटिक्स कोच ओएसपी हैं। बास्केटबॉल के ट्रायल बाबा खेतानाथ पोलिटेक्निकल कॉलेज में होंगे, जिसके इंचार्ज परवीन रंगा क्रिकेट कोच हैं। बास्केटबॉल टीम के लिए खिलाड़ियों को सुबह 9:30 बजे नेताजी सुभाष चंद्र बोस स्टेडियम में रिपोर्ट करना अनिवार्य है। स्विमिंग के ट्रायल नेताजी सुभाष चंद्र बोस स्टेडियम में होंगे, जिसके इंचार्ज रविंद्र सिंह, स्विमिंग कोच हैं।

नारनौल। गोवंश के लिए हरी सब्जी की सवामणी लगाते हुए। फोटो : हरिभूमि

रोटरी क्लब रॉयल्स ने लगाई सवामणी

नारनौल। रोटरी इंटरनेशनल की नई शाखा रोटरी क्लब रॉयल्स का गठन करने के बाद प्रधान दिनेश भार्गव ने गोमाता के लिए हरी सब्जियों की सवामणी लगाकर अपने कार्यकाल का शुभारंभ किया। प्रोजेक्ट चेयरमैन अनिल यादव, हरीश गुप्ता व गौरव शर्मा की देखरेख में रोटरी क्लब रॉयल्स के समस्त पदाधिकारी व सदस्यों ने अनाथ गोशाला में गोसेवा करते हुए कहा कि हिन्दू संस्कृति में गोसेवा को सबसे बड़ा पुण्य माना गया है। प्रधान दिनेश भार्गव ने बताया कि रोटरी क्लब का मतलब जनसेवा का पर्याय है। क्षेत्र में जरूरतमंद लोगों के लिए जनहित कार्य करना ही क्लब का उद्देश्य है। गोमाता की सेवा के साथ क्लब के समाजसेवा की नींव रखी है। क्लब सचिव सत्यनारायण सैनी ने कहा कि हमारी सनातन परंपरा में गाय को माता का दर्ज दिया जाता है। इसके साथ ही आने वाले समय में विभिन्न क्षेत्रों में अनेक जनहित कार्य करने का प्रयास रहेगा। इस मौके पर असिस्टेंट गवर्नर पारस चौधरी, उप प्रधान अनिल यादव, कोषाध्यक्ष मोहन सैनी, पवन कटारिया, हरिश गुप्ता, महेश सैनी, अमित कुमार, कपिल सैनी, पवन यादव, नवीन गुप्ता, प्रवीण छाबड़ा, मुकेश वालिया, शीतल भार्गव, प्रियंका सैनी आदि मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

जरनल परेड का एसपी ने किया निरीक्षण

नारनौल। पुलिस लाइन में सोमवार को जरनल परेड का आयोजन किया गया। पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ ने परेड का निरीक्षण किया। पुलिस जवानों की शारीरिक व मानसिक दक्षता बनाए रखने के लिए परेड और दौड़ भी कराई गई। एसपी पूजा वशिष्ठ ने सभी पुलिसकर्मियों की वर्दी के टर्न आउट का बारीकी से निरीक्षण किया और आवश्यक सुधार व दिशानिर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक ने जिले में किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना या आपात स्थिति में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए गठित की गई कंपनी को विशेष रूप से आवश्यक सुझाव दिए। इस दौरान जवानों का हेलमेट, बॉडी प्रोटेक्टर, कैनशील्ड के साथ अभ्यास कराया गया। उन्होंने पुलिसकर्मियों को हर तरह की परिस्थितियों से तुरंत निपटने और सदैव तैयार रहने के लिए प्रेरित किया। उन्हें किसी अप्रिय घटना या दंगे जैसी गतिविधियों पर प्रभावी ढंग से कैसे काबू पाया जाए, इस बारे में जानकारी दी गई।

माता-पिता की याद में करा रहे धर्मशाला का निर्माण

नारनौल। गांव डेरोली अहीर में अपनी माता स्वर्गीय सुरस्ती देवी व पिता स्वर्गीय सोहनलाल खोशया की याद में उनके पुत्र प्रसिद्ध व्यवसायी केहर सिंह खोश्या धर्मशाला का निर्माण करा रहे हैं। गांव में धर्मशाला का शिलान्यास जूना अखाड़े के उपाध्यक्ष महंत गुरु इंद्र भारती के मार्गदर्शन में किया हैं। बता दें कि धर्मशाला के लिए जमीन गांव की पंचायत में उन्हें दी है, जिस पर धर्मशाला का निर्माण केहर सिंह खोशया करवाकर ग्राम पंचायत को सौंपेंगे। इस मौके पर सरपंच लक्खीराम, श्रीराम खोश्या, ग्राम सभा के प्रधान मनोज कुमार, ग्राम सभा सदस्य राजेश यादव, बबली सिहार, मोहित खोशया, डा. गौरव खोश्या, कैप्टन महावीर, यशपाल, संदीप खोश्या मेई, पूर्व पंच रोहतास, पूर्व पंच विजय कुमार व मनोज मास्टर सहित अनेक ग्रामीण उपस्थित रहे।

दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण में जुटा संतोष मेमोरियल

नारनौल। दिव्यांगजन सशक्तिकरण के उद्देश्य से संतोष मेमोरियल दिव्यांगजन एवं पुनर्वास केंद्र में दिव्यांगजन के लिए दो वर्षीय भारतीय पुनर्वास परिषद (आरसीआई) द्वारा मान्यता प्राप्त पूर्णकालिक बीएड/डीएड (विशेष शिक्षा) कार्यक्रम में प्रवेश के लिए स्वर्णिम अवसर उपलब्ध है। प्राचार्य डा. आरएन यादव ने बताया कि कार्यक्रम की अहरता बारहवीं व स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण की है। अभ्यर्थी डीएड/बीएड (विशेष शिक्षा) कार्यक्रम में प्रवेश ले सकते हैं। योग्य अभ्यर्थियों को 100 प्रतिशत तक छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। अंतिम तिथि 9 नवंबर 2025 है। उन्होंने बताया कि सीबीएसए एवं न्यायालय के आदेश के उपरांत प्रत्येक स्कूल में विशेष शिक्षक की नियुक्ति अब अनिवार्य कर दी गई है। चूंकि अभी विशेष शिक्षक जो कि भारतीय पुनर्वास परिषद के द्वारा पंजीकृत है, उनकी संख्या बहुत कम है और लगभग सभी कार्यरत हैं।

कृत्रिम उपकरण के लिए कल तक करें आवेदन

कनीना। दिव्यांगजनों को कृत्रिम उपकरण उपलब्ध कराने के लिए जल्द ही शिविर का आयोजन किया जाएगा। उपकरण वितरण करने से पहले रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया प्रारंभ है, जो पांच नवंबर तक जारी रहेगी। राजकीय पीकेएसडी कॉलेज की लाइब्रेरी में सुबह 10 से 12 बजे तक आवेदन लिए जा रहे हैं। पंजीकरण कराने वाले लाभार्थियों को कृत्रिम उपकरण फ्री में उपलब्ध कराए जाएंगे। तीसरे दिव्यांग उपकरण वितरण शिविर में व्हीलचेयर सहित अन्य सामान दिया जाएगा। संगठन के अध्यक्ष दीपक वशिष्ठ ने बताया कि पंजीकरण के समय दिव्यांगता प्रमाण पत्र व यूआईडी कार्ड, परिवार पहचान पत्र, आधार कार्ड, एक पासपोर्ट साइज फोटो अनिवार्य है।

दुबई में जीता गाइटेक्स ग्लोबल 2025 सर्वश्रेष्ठ सम्मान, अब सिंगापुर में अप्रैल 2026 में होगा प्रतिनिधित्व

सरकारी स्कूल में पढ़े तरुण ने गाइटेक्स में रचा इतिहास

- एआई तकनीक से चमका भारत का नाम, युवक को करेंगे सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी अटेली

गांव की मिट्टी से उठकर अंतर राष्ट्रीय मंच पर मुकाम हासिल कर तरुण ने साबित किया है कि दृढ़ इच्छा शक्ति, निरंतर सीख और कड़ी मेहनत से हर सपना साकार किया जा सकता है। आज वे हरियाणा और देश के युवाओं के लिए प्रेरणा का मजबूत उदाहरण हैं। दुबई में आयोजित प्रतिष्ठित गाइटेक्स ग्लोबल 2025 में अटेली खंड के गांव सैदपुर के युवा तरुण ने बड़ा कीर्तिमान स्थापित किया है। उनकी एआई कंपनी ओमनीनेक्सयूस ने अपनी अत्याधुनिक तकनीक और नवाचार क्षमता से विशेष पहचान बनाई। ओमनीनेक्सयूस ने गाइटेक्स एशिया 2025 तकनीकी नवाचार पुरस्कार जीता है, जिससे मंच पर वैश्विक स्तर पर भारतीय तकनीकी नेतृत्व स्थापित हुआ। अब कंपनी अप्रैल 2026 में सिंगापुर में आयोजित होने वाले गाइटेक्स एशिया मंच पर भी अपनी तकनीक और दृष्टि का प्रदर्शन करेगी। युवा तरुण ने अपनी प्रतिभा, दूरदर्शिता और मेहनत से दुनिया में हरियाणा प्रदेश ही नहीं, भारत का नाम भी उंचा किया है। गांव से निकलकर दुनियाभर में छाप छोड़ना तरुण की क्षमता, महत्वाकांक्षा और उत्कृष्ट नेतृत्व को दर्शाता है। सादगीपूर्ण और मेहनतकश परिवार से आने वाले तरुण ने यह उपलब्धि कठिन परिश्रम और लगन से हासिल की है।

उनके पिता अशोक कुमार मेहनती पृष्ठभूमि से हैं, जबकि माता गृहिणी हैं। तरुण के चाचा राकेश कुमार, जो शिक्षक हैं, ने बताया कि तरुण बचपन से ही जिज्ञासु स्वभाव के थे, सीखने की तीव्र इच्छा और लक्ष्य के प्रति समर्पण ने उन्हें हमेशा अलग साबित किया। तरुण की प्रारंभिक शिक्षा राजकीय विद्यालय सैदपुर-नीरपुर में हुई। दसवीं राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बिहाली से पूर्ण की, जिसमें वे बोर्ड के शीर्ष 0.1 प्रतिशत छात्रों में शामिल रहे। 2014 में बारहवीं राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय अटेली से पूरी की और विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

आधुनिक तकनीकी ज्ञान को समझने के लिए की कई देशों की यात्रा

उच्च शिक्षा राजकीय महाविद्यालय नारनौल से पूर्ण करते हुए जीव विज्ञान में एमएससी की उपाधि 8.2 सीजीपीए के साथ हासिल की। शिक्षा के बाद तरुण ने आधुनिक तकनीकी ज्ञान को और गहराई से समझने के लिए कई देशों की यात्रा की। जहां उन्होंने वैश्विक स्टार्टअप संस्कृति, आधुनिक तकनीक और एआई इकोसिस्टम को नजदीक से सीखा। एआई और इंटरनेट में रुचि वर्ष 2017-18 के दौरान प्रारंभ हुई। वर्ष 2020-21 तक उन्होंने एआई और मशीन लर्निंग पर निरंतर अध्ययन, शोध और प्रयोग किए। वर्ष 2022 में अपने एआई सेटअप की नींव रखी। वर्ष 2023 में दुबई में अपनी पहली तकनीकी कंपनी की स्थापना की और इसके बाद वर्ष 2023 के अंत से 2024 की शुरुआत में मलेशिया में ओमनीनेक्सयूस की स्थापना की, जिसने आगे चलकर गाइटेक्स मंच पर अंतरराष्ट्रीय पहचान बनाते हुए तकनीकी नवाचार पुरस्कार हासिल किया। वर्तमान में तरुण दुबई स्थित तकनीकी कंपनी फ्यूचरवाइज के मुख्य कार्यकारी अधिकारी हैं तथा मलेशिया में पंजीकृत एआई संस्था ओमनीनेक्सयूस के सह संस्थापक और मुखय सूचना अधिकारी के रूप में कार्यरत हैं।

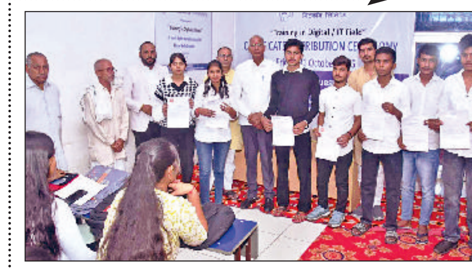

महेंद्रगढ़। चयनित युवाओं को प्रमाण पत्र वितरित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम

महेंद्रगढ़। युवा प्रतिभाओं को रोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से निटकॉन लिमिटेड के द्वारा एक निजी कंप्यूटर सेंटर में एक विशाल युवा रोजगार मे आयोजित किया गया। इस मेले में कुल आठ प्रमुख कंपनियों ने हिस्सा लिया और मौके पर ही 75 विद्यार्थियों का चयन विभिन्न पदों के लिए किया गया। मुख्यातिथि के रूप में विधायक कंवर सिंह यादव उपस्थित रहे। उन्होंने चयनित छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि ऐसे रोजगार मेले युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को मेहनत और ईमानदारी से अपने करियर में आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम में निटकॉन लिमिटेड के अधिकारियों ने बताया कि यह रोजगार मेला युवाओं को उद्योग जगत से सीधे जोड़ने का एक सशक्त माध्यम है। भविष्य में भी इस प्रकार के और रोजगार मेलों का आयोजन किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक युवाओं को अवसर मिल सके। मेले में भाग लेने आई कंपनियों में विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिष्ठित संस्थाएं शामिल थीं, जिन्होंने तकनीकी, मार्केटिंग, सेल्स और प्रशासनिक पदों के लिए उम्मीदवारों का चयन किया।

धरसूं के ग्रामीणों को बापड़ोली डिपो से ही मिलेगा राशन, डीसी ने दिए आदेश

प्रदर्शन करने उपरांत सोमवार को समाधान शिविर में गुहार लगाने पहुंचे थे ग्रामीण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

उपमंडल के गांव धरसूं के ग्रामीणों को पुनः बापड़ोली राशन डिपो से अटैच करने के डीसी कैप्टन मनोज कुमार ने आदेश सुनाए हैं। ग्रामीण एकजुट होकर सोमवार को लघु सचिवालय में लगे समाधान शिविर में शिकायत दर्ज कराने पहुंचे थे। तब ग्रामीणों की बातें सुनने उपरांत डीसी ने यह आदेश दिए हैं।

बता दें कि धरसूं के ग्रामीणों को नवंबर से पहले बापड़ोली गांव में बने राशन डिपो से राशन वितरित किया जाता रहा है तथा ग्रामीण राशन डिपो धारक महिला मंजुला की कार्यप्रणाली एवं ईमानदारी से खुश थे, लेकिन अब विभाग ने धरसूं को बापड़ोली से हटाकर निवाजनगर में इंद्राज के डिपो के अधीन कर दिया, जिस कारण उनमें रोष पनप गया। रविवार को जहां ग्रामीणों ने गांव में प्रदर्शन कर इसके विरुद्ध रोष जताया, वहीं ग्रामीण एकजुट होकर सोमवार को जिला

नारनौल। लघु सचिवालय में जनसुनवाई के लिए पहुंचे धरसूं के ग्रामीण।

ग्रामीणों ने कहा कि मंजुला डिपो होल्डर के कार्यकाल में किसी प्रकार की शिकायत नहीं रही है, लेकिन अब पुनः पुराने विवादित डिपो से अटैच करने का निर्णय अनुचित है।

इससे कोई भी ग्रामीण खुश नहीं है, क्योंकि वह पहले भी निवाजनगर डिपो के अधीन रहने से परेशानी भुगत चुके हैं, लेकिन अब पुनः परेशानी झेलने को तैयार नहीं।

गंभीरता से ली ग्रामीणों की बातः इस मौके पर डीसी कैप्टन मनोज कुमार ने ग्रामीणों की बातों का बड़ी इत्मिनान से सुना तथा उनका पक्ष गंभीरता से लेकर मौके पर ही आदेश सुनाते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि धरसूं का डिपो बापड़ोली के अधीन ही रखा जाए। इससे राहत मिलने पर ग्रामीण बड़े खुश हो गए तथा वहीं पर डीसी साहब की प्रशंसा करने लगे। ग्रामीण डीसी की लोकप्रिय कार्यप्रणाली देखकर चकित रह गए तथा उनकी दिल खोलकर प्रशंसा करते हुए उनका आभार जताने लगे।

समाधान शिविर में लिया भाग

ग्रामीणों ने बताया कि मंजुला पिछले पांच वर्षों से गांव धरसूं में समय पर और नियमानुसार राशन वितरण कर रही हैं, जिससे ग्रामीण पूरी तरह संतुष्ट हैं, लेकिन विभाग द्वारा नवंबर 2025 से उनका राशन निवाजनगर के इंद्राज नामक डिपो होल्डर से अटैच कर दिया गया है। ग्रामीणों ने आरोप लगाते हुए बताया कि इंद्राज की कार्यप्रणाली पहले भी विवादित रह चुकी है। ग्रामीणों ने कहा कि वर्ष 2020 में इसी डिपो होल्डर के माध्यम से राशन वितरण होता था, उस दौरान भारी धांधली व गड़बड़ी सामने आई थी। शिकायतों पर तत्कालीन डीसी ने जांच कराई थी, जिसमें आरोप सही पाए गए थे। विभागीय निरीक्षण के दौरान डिपो होल्डर को शराब के नशे में राशन वितरण करते हुए पाया गया था। इसके बाद धरसूं गांव का राशन निवाजनगर से हटाकर बापड़ोली की मंजुला को सौंपा गया था।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर गांव की महिला सरपंच रविता, रोहित पंडितजी, पंच राहुल शर्मा, मोहन सिंह पंच, हिना कुमारी पंच, मगर सिंह नंबरदार, चौथराम चौकीदार, कुलदीप सिंह, ममता, बीना देवी, मंजीत कौर, भगवान सिंह, विक्रम, नरेश, मुकेश कुमार, प्रवीण, महताब सिंह, विजय, जगदीश, छोटेलाल पूर्व पंच, चेतराम, मोनिका, मंगतराम एवं विरेंद्र आदि ग्रामीण मौजूद रहे।

कनीना। प्रवक्ता सचिन कुमार को सम्मानित करते राज्यपाल। फोटो : हरिभूमि

कनीना के प्रवक्ता सचिन कुमार को राज्यपाल ने किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कनीना

उड़ीसा राजभवन में विश्व हिन्दी परिषद के तत्वावधान में सम्मान समारोह व कवि सम्मेलन आयोजित किया गया। जिसमें कनीना के भौतिक विज्ञान के प्रवक्ता सचिन कुमार को उनके शिक्षा, हिन्दी भाषा के प्रति योगदान, सामाजिक सेवा व मंच संचालन के क्षेत्र में अभूतपूर्व सेवाओं को देखते हुए विश्व हिन्दी गौरव सम्मान 2025 प्रदान किया गया। ओड़िशा राजभवन में आयोजित इस भव्य कार्यक्रम में राज्यपाल डॉ. हरि बाबू कंभमपति मुख्य अतिथि रहे। पद्मश्री व पद्मभूषण पुरस्कार से अलंकृत प्रसिद्ध साहित्यकार डॉ. वाई लक्ष्मी प्रसाद, राज्यसभा सांसद ममता मोहंता, पूर्व लोकसभा सांसद प्रसन्ना पटसानी, प्रखर राष्ट्रवादी विचारक डॉ. बिपिन कुमार व प्रदेश अध्यक्ष विक्रमादित्य सिंह की गरिमामयी उपस्थिति रही।

राष्ट्रीय चेतना हिन्दी भाषा के प्रचार प्रसार व विकसित भारत के स्वप्न को साकार करने का उद्देश्य को लेकर यह कार्यक्रम आयोजित किया गया था। जिसमे पूरे देश से विभिन्न क्षेत्रों अभूतपूर्व कार्य कर रहे महानुभावों को आमंत्रित किया गया था। जिसमे कनीना निवासी प्रवक्ता सचिन कुमार को विशेष रूप से आमंत्रित थे। कार्यक्रम में देश के प्रतिष्ठित कवि, साहित्यकार, शिक्षाविद व राजनेताओं ने भाग लिया। बता दें कि प्रवक्ता सचिन कुमार इससे पहले भी अनेक बार राष्ट्रीय स्तर तक क्षेत्र का नाम रोशन कर चुके है व वर्तमान में रेवाड़ी में मॉडल संस्कृति विद्यालय में कार्यरत है। इस उपलब्धि पर क्षेत्र की अनेक सामाजिक संस्थाओं व गणमान्यजनों ने बधाई दी।

शिक्षण की गुणवत्ता और नवाचार में एआई सहयोगीः प्रो. श्रीनिवास

- हकेंवि में शिक्षकों के लिए एआई की उपयोगिता पर केंद्रित प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के मदन मोहन मालवीय टीचर ट्रेनिंग सेंटर (एमएमटीटीसी) द्वारा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) टूल्स फॉर टीचर्स विषय पर केंद्रित शॉर्ट टर्म प्रोग्राम की सोमवार से शुरुआत हुई। आयोजन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए मुख्यातिथि व विश्वविद्यालय समकुलपति प्रो. पवन कुमार शर्मा ने कहा कि एआई आज के समय की आवश्यकता है और यह शिक्षकों का सहयोगी है। उन्होंने विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार का

महेंद्रगढ़। हकेवि में आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभागियों को संबोधित करते मुख्य वक्ता प्रो. के. श्रीनिवास। फोटो : हरिभूमि

उल्लेख करते हुए कहा कि कुलपति सदैव ही नवाचार व तकनीकी विकास के मोर्चे पर बदलते समय के साथ आगे बढ़ने के पक्षधर हैं। ऐसे में आवश्यक है कि शिक्षक बदलते समय की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए स्वयं को तैयार करें। आयोजन में विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रो. सुनीता श्रीवास्तव व मुख्य वक्ता के रूप में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन, नई दिल्ली के प्रो. के. श्रीनिवास उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन व विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। इसके पश्चात विश्वविद्यालय में यूजीसी-एमएमटीटीसी के निदेशक प्रो. प्रमोद कुमार ने आयोजन की रूपरेखा प्रस्तुत की और बताया कि इस आयोजन में देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों से जुड़ें 150 से अधिक प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। कार्यक्रम के मुख्यातिथि प्रो. पवन कुमार शर्मा ने विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से एआई की महत्ता व शिक्षण कार्य में उसकी उपयोगिता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि व मुख्य वक्ता का परिचय कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. श्रीराम पांडेय व यूजीसी-एमएमटीटीसी की उपनिदेशक प्रो. तनु गुप्ता ने दिया।

ये रहे मौजूद

मौके पर शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. पवन कुमार मौर्य, प्रो. राजेश कुमार गुप्ता, प्रो. नंद किशोर, प्रो. रेनु यादव, प्रो. दिनेश चहल, प्रो. अंतरेश कुमार, प्रो. रमेश कुमार, प्रो. सुरेंद्र सिंह, प्रो. हरीश कुमार सहित भारी संख्या शिक्षक व प्रतिभागी उपस्थित रहे।

शिविर में डीसी ने सुनीं जनसमस्याएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

प्रदेश सरकार के निर्देश अनुसार मंगलवार को लघु सचिवालय में लगे समाधान शिविर में उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार ने जन समस्याएं सुनी। इस अवसर पर कुल 86 नागरिकों ने अपनी समस्याएं रखी। इस दौरान डीसी ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सरकार के निर्देश अनुसार प्रत्येक शिकायतकर्ता की शिकायत को पहले ध्यान पूर्वक सुना जाए। उसके बाद नियमों के अनुसार निर्धारित समय में शिकायतकर्ता का काम होना चाहिए।

सरकार व जिला प्रशासन का मकसद है कि नागरिकों को सरकार की सेवाओं व योजनाओं का लाभ निश्चित अवधि में दिया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर किसी अधिकारी या कर्मचारी ने बिना किसी ठोस कारण किसी काम में देरी

नारनौल। आमजन की समस्याएं सुनते डीसी कैप्टन मनोज कुमार। फोटो : हरिभूमि

की तो उसकी जिम्मेदारी तय की जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार इस मामले में बहुत गंभीर है। एक-एक शिकायत का समाधान पोर्टल के माध्यम से रिकॉर्ड रखा जाता है। मुख्यमंत्री कार्यालय की तरफ से हर सप्ताह इसकी समीक्षा की जाती है। ऐसे में इस मामले में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार के निर्देश पर प्रत्येक सोमवार व वीरवार को सुबह 10 से 12 तक सभी उपमंडल स्तर पर समाधान शिविर लगाए जाते हैं। कोई भी नागरिक अपनी शिकायत या समस्याओं को वहां पर रख सकता है। इस मौके पर एसडीएम अनिरुद्ध यादव, नगराधीश डॉ. मंगल सेन के अलावा अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

महेंद्रगढ़ की दिवाक्षी अब बॉलीवुड फिल्म में आएगी नजर

महेंद्रगढ़। आरपीएस सीनियर सेकेंडरी स्कूल खातोद की 9वीं कक्षा की छात्रा दिवाक्षी का चयन बॉलीवुड मूवी कला एक संघर्ष में क्लासिकल डांस के लिए किया गया है। यह फिल्म नृत्य और संघर्ष पर आधारित है और दिवाक्षी का चयन इस फिल्म के लिए उनकी बेहतरीन परफॉर्मेंस के आधार पर हुआ। दिवाक्षी ने एक नवंबर को दिल्ली में आयोजित आडिशन में भाग लिया था, जहां फिल्म के डायरेक्टर मिस्टर अली रॉय और सपना सिंह ने उनकी नृत्य प्रस्तुति की सराहना करते हुए उन्हें फिल्म में शामिल करने का निर्णय लिया। महेंद्रगढ़ निवासी दिवाक्षी की सफलता की कहानी न केवल उनके नृत्य कौशल, बल्कि उनकी निरंतर मेहनत और समर्पण का परिणाम है। दिवाक्षी के पिता दीपक व माता ज्योति ने बताया कि वह बचपन से ही नृत्य में रुचि रखती थीं। ढाई साल की उम्र में ही दिवाक्षी ने स्टेज पर नृत्य प्रस्तुतियां देना शुरू कर दिया था। उन्होंने नेशनल यूनियन क्लासिकल डांसर का खिताब भी जीता है और राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर कई प्रतियोगिताओं में भाग लिया है। उनके प्रदर्शन ने न केवल अपने परिवार और विद्यालय का नाम रोशन किया, बल्कि उन्होंने अपने गांव और समाज में भी कला के प्रति जागरूकता और सम्मान बढ़ाया है। फिल्म कला एक संघर्ष में दिवाक्षी के साथ बॉलीवुड के अभिनेता मुस्ताक खान, प्रदीप कावरा, इकरार मल्लिक (यू-ट्यूबर) और डीआईडी के द्वितीय विजेता हरुण राव भी महत्वपूर्ण किरदार निभा रहे हैं।

मरीजों को राहत | नांगल चौधरी में 17 करोड़ की लागत से तीन मंजिला भवन का निर्माण स्वीकृत

आधुनिक तकनीक से जांच व विशेषज्ञ चिकित्सक हुए उपलब्ध

स्वास्थ्य के प्रयासों से जिले के अस्पतालों में सुविधाएं और संसाधनों में हुई बढ़ोतरी

- भाजपा के पूर्व जिला प्रधान दयाराम यादव ने भुंगारका में कार्यकर्ता बैठक के दौरान व्यक्त किए विचार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नांगल चौधरी

स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव के प्रयासों से जिले की अस्पतालों में संसाधन व सुविधाएं बढ़ी हैं। जिससे मरीजों को निःशुल्क और सुविधा पूर्वक इलाज कराना संभव हो पाया है। नांगल चौधरी सीएचसी का करीब 17 करोड़ रुपये की लागत से भवन निर्माण की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। साथ ही उप स्वास्थ्य केंद्रों की मरम्मत व नये भवन निर्माण का बजट स्वीकृत किया गया है। उक्त विचार भाजपा के पूर्व जिला प्रधान दयाराम यादव ने भुंगारका में कार्यकर्ता बैठक के दौरान व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि जिले में नांगल चौधरी सीएचसी सबसे बड़ी है। जिसके अंतर्गत 84 गांवों में 1.85 लाख आबादी है। अधिकांश गांवों में यातायात सुविधा नहीं है, जिस कारण ग्रामीणों को दूरदराज की अस्पतालों में इलाज कराना मुश्किल रहता है। आबादी के अनुसार नांगल चौधरी सीएचसी को 30 साल पहले अपग्रेड कर दिया था, लेकिन भवन निर्माण का बजट स्वीकृत नहीं हुआ था। कंडम भवन में मरीजों व चिकित्सक स्टॉफ को जानलेवा खतरा बना रहता है। शिकायत मिलते ही स्वास्थ्य मंत्री ने तत्परता पूर्वक सीएचसी का नक्शा तैयार कराया तथा एस्टिमेट के मुताबिक करीब 17 करोड़ बजट स्वीकृत कर दिया। विभागीय पत्र मिलने के बाद पीडब्ल्यूडी विभाग ने टैंडर छोड़ने की प्रक्रिया आरंभ कर दी है। इसके अलावा दस से अधिक उप स्वास्थ्य केंद्रों के भवन निर्माण का बजट मंजूर किया गया है। नारनौल नागरिक अस्पताल में पूरे प्रदेश स्तर पर सर्वाधिक डिलीवरी होती हैं। अस्पताल में आधुनिक तकनीक वाले संसाधन उपलब्ध नहीं थे। जिस कारण चिकित्सकों को मरीजों का उपचार करने में परेशानी रहती थी। मरीजों की सुविधा के लिए सरकार ने डायलिसिस की निःशुल्क व्यवस्था तथा डिजिटल अल्ट्रासाउंड मशीन का प्रबंध किया है। उन्होंने बताया कि गर्भवती महिलाओं की सुविधा के लिए हर महीने प्रधानमंत्री मातृत्व सुरक्षा कैंप लगाए जाते हैं। जिनमें पंजीकृत महिलाओं को पूरा इलाज व एंबुलेंस निःशुल्क उपलब्ध कराई जाती है। उन्होंने बताया कि भाजपा सरकार ने गांव स्तर पर स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत करने का संकल्प लिया है।

आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज में सीट बढ़ाने से युवाओं को मिली राहत

जिला कष्ट निवारण समिति के सदस्य दयाराम यादव ने बताया कि नियमानुसार एक साल ओपीडी चलने के बाद ही एमबीबीएस कक्षाओं के दाखिले संभव होते हैं, लेकिन स्वास्थ्य मंत्री ने सीएम व केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री को पत्र भेजकर इसी शैक्षणिक सत्र में दाखिले स्वीकृत करवा दिए। इसके अलावा बाबा खेतानाथ आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज की दाखिला सीटों को 63 से बढ़ाकर 100 करवा दिया। जिससे विद्यार्थी नजदीक ही मेडिकल की पढ़ाई कर सकेंगे।